Decline in area under Rice Cultivation

2754. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there has been a decline in area under rice cultivation recently;

(b) if so, the impact of decline in area on production of rice; and

(c) the steps taken by Government to increase the yield of rice?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) There has been a continuous increase in area under rice till 1990-91. There was, however, a marginal decline in area in 1991-92 and 1992-93 due to inadequate rains in major rice producing states of Bihar and Uttar Pradesh. The area in 1993-94 and 1994-95 is likely to recover. The production of rice has also exhibited a rising trend except some shortfall in 1992-93.

(c) For increasing the productivity and production of rice, a crop oriented production programme viz. Integrated Cereals Development Programme—Rice is being implemented in 17 States and Union Territoreis of the country.

कृषि विपणन परिषद् द्वारा शुरू की जाने वाली विकास योजनाएं

2755. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**
श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कृषि विपणन परिषद् अपनी विकास योजनाओं को कार्यान्वित नहीं कर पाई है जिसके परिणामस्वरूप 40 करोड़ रुपए की विकास योजनाएं सरकारी फाइलों में बन्द पड़ी है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस परिषद् को अपनी विकास योजनाओं को कार्यान्वित करने में सक्षम बनाने के लिए सरकार की प्रतिक्रिया और अन्तिम निर्णय क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, नहीं । "कृषि विपणन परिषद्" नाम का कोई संगठन नही है ।

(ख) एवं (ग) प्रश्न नही उठता ।

दलहन उत्पादन के लक्ष्य

2756. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में विगत वर्षों से दलहन के उत्पादन लक्ष्य प्राप्त नही किये जा सके हैं;

(ख) यदि नहीं, तो वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान वास्तविक उत्पादन और निर्धारित लक्ष्य क्या थे ;

(ग) क्या यह भी सच है कि चालू वर्ष 1994-95 के दौरान भी दलहन के उत्पादन में कमी होने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उपर्युक्त वर्षों में वर्ष-वार कुल कृषि भूमि के कितने प्रतिशत क्षेत्रफल में दालें उपजाई गई थी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) वर्ष 1991-92 से 1993-94 के दौरान दलहन के लक्ष्य और उत्पादन इस प्रकार हैं :—

(मिलियन टन में)

वर्ष	लक्ष्य	उत्पादन
1991-92	15.50	12.02
1992-93	14.50	13.60
1993-94	15.50	14.21

(ग) जी, नहीं ।

(घ) वर्ष 1993-94 की तुलना में दलहन उत्पादन, वर्ष 1994-95 के दौरान लगभग 5 लाख टन अधिक होने की सम्भावना है ।

दलहन के तहत कुल कृषि भूमि क्षेत्र का प्रतिशत, वर्ष 1991-92 में 14.4 प्रतिशत तथा 1992-93 और 1993-94, दोनों वर्षों में 15.2 प्रतिशत था ।

दुग्ध उत्पादन

2757. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 21 वी शताब्दी के प्रारंभ होने तक देश में 85.8 मिलियन टन दुग्ध का उत्पादन होने की संभावना है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार का लक्ष्य क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में दुग्ध उत्पादन की औसत दर निराशाजनक है ; यदि हां, तो देश में राष्ट्रीय स्तर पर दुग्ध उत्पादन की प्रति पशु औसत दर क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि दुग्ध उत्पादन की औसत दर कम होने के कारण देश में दुग्ध की कीमतें बढ़ी हुई हैं और अधिकांश उपभोक्ता अपनी क्रय शक्ति के अभाव में दुग्ध खरीदने की स्थिति में नहीं हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और सरकार द्वारा भविष्य में देश में राष्ट्रीय दुग्ध उत्पादन की औसत दर को बढ़ाने के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) और (ख) सन् 2000-2001 के लिए देश में दुग्ध उत्पादन के लिए अभी तक कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं ।

(ग) जी, नहीं । इस समय राष्ट्रीय स्तर पर प्रति पशु प्रति दिन औसत उत्पादकता है : गाय 2.19 कि० ग्रा० तथा भैंस 3.59 कि० ग्रा० ।

(घ) और (ङ) दूध का मूल्य विभिन्न आर्थिक तथा गैर-आर्थिक कारणों जैसे दुग्ध-उत्पादन की आदान लागत सामान्य अर्थव्यवस्था की स्थिति, दूध की खपत, बाजार का रूझान, फार्म उद्यमों पर प्रतिस्पर्धा की लाभदायकता आदि पर निर्भर करता है । दूध की खपत आमदनी के अनुसार भिन्न-भिन्न होती है तथा निचले स्तरों पर यह पौषणिक आवश्यकता से भी कम होती है । गरीबी रेखा से नीचे के लोगो के पौषणिक स्तर मे वृद्धि करने के लिए विभिन्न गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम आरंभ किए गए है । देश में प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता की औसत दर के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं । तथापि, वर्ष 1996-97 (8वी परियोजना का अंतिम वर्ष) के लिए दुग्ध उत्पादकता का लक्ष्य 70.78 मिलियन टन निर्धारित किया गया है ।

गैर-सरकारी क्षेत्र के संगठन द्वारा कृषि फार्मों की स्थापना किया जाना

2758. **श्रीमती सुषमा स्वराज्य :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गैर-सरकारी क्षेत्र के विभिन्न संगठनों ने कृषि उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग करने हेतु बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर बड़े-बड़े कृषि फार्मों की स्थापना करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि विगत महीनों के दौरान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में भी इस प्रकार के सफल प्रयास किये गये हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है और क्या सरकार द्वारा इस तरह के बड़े-बड़े कृषि फार्मों की स्थापना को प्रोत्साहित करने की कोई नीति भी अपनायी गई है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

ड्रिप और स्प्रिकल सिंचाई परियोजना को प्रोत्साहन दिया जाना

2759. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में जल का समुचित उपयोग करने हेतु कृषि क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिकल सिंचाई परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने देश मे ड्रिप और स्प्रिकल सिंचाई को बढ़ावा देने हेतु क्या-क्या सुविधायें प्रदान करने का निर्णय किया है; और

(ग) सरकार ने ये सभी सुविधायें कृषकों तक पहुंचाने हेतु क्या प्रणाली अपनायी है और इस प्रणाली का वर्तमान में देश के किन-किन क्षेत्रों में अधिक उपयोगी होने की सम्भावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, हा ।

(ख) तिलहनों, दलहनों और कपास-फसलों में ऑयल पाम और स्प्रिंकलर प्रणालियों सहित, बागवानी-फसलों में ड्रिप प्रणाली के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसानों को सब्सिडी समर्थन मुहैया करा रही है ।

(ग) सरकार इन फसलों को उगाने वाले संबंधित राज्य/संघ शासित सरकारों के माध्यम से उपरोक्त योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है । संभवत: ये प्रणालिया शुष्क भूमि/निर्जल क्षेत्रों में और अधिक लाभदायक होंगी ।

गन्ने का कम उत्पादन

2760. **श्री प्रमोद महाजन** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष पूरे देश में गन्ने का उत्पादन बहुत कम हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता ।